असुरक्षित गर्भपात से संबंधित मृत्यु प्रति १,००,००० सजीव जन्मो में, २२८

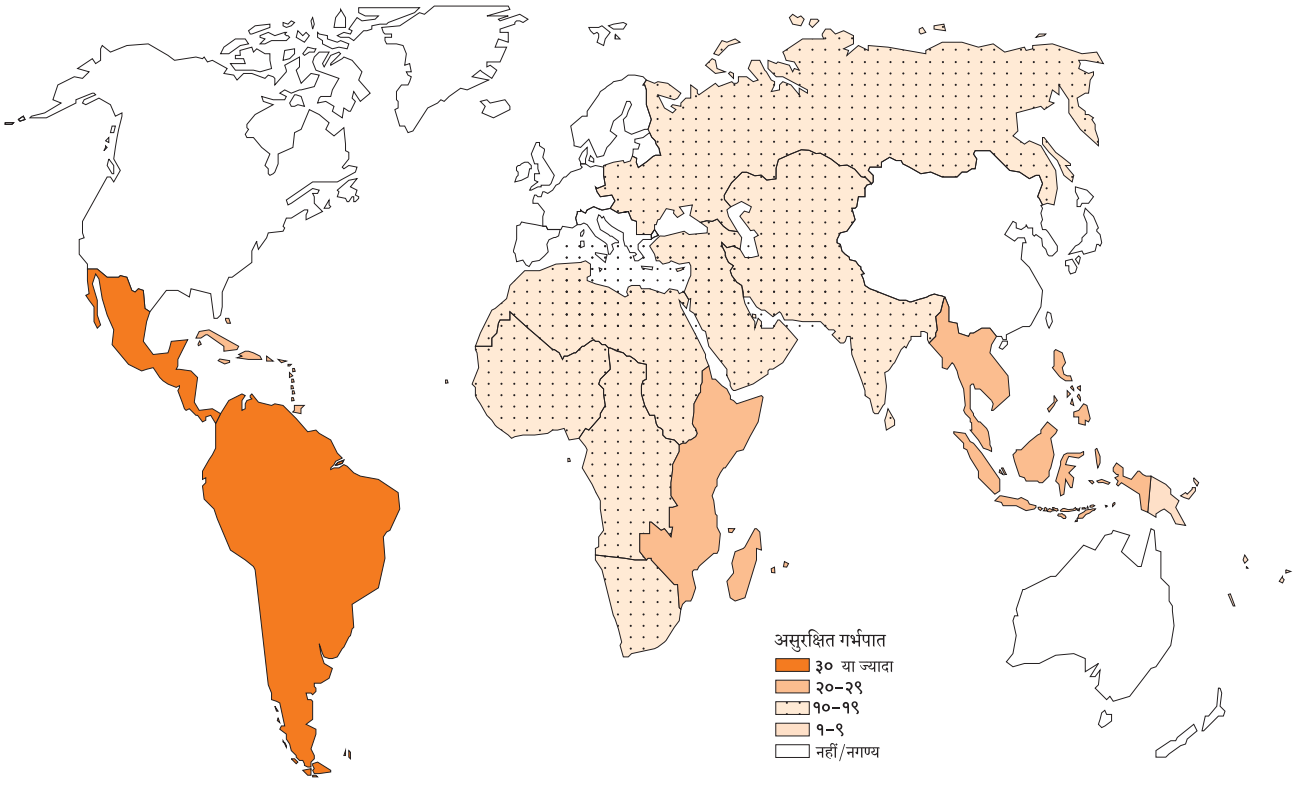

असुरक्षित गर्भपात: भारत में ८ फीसदी मातामृत्यु

- दुनियाभर में मातामृत्यु की प्रमुख वजहों मे असुरक्षित गर्भपात यह पहिले तीन वजहों में एक है।
- दुनियाभर में लगभग २२१६ लाख महिलाएँ हर साल असुरक्षित गर्भपात करवाती हैं।
- दुनियाभर में ४७ हजार महिलाओं को गर्भपात से मृत्यु का सामना करना पडता है। लगभग ५ लाख महिलाओं को गर्भपात से संबंधित विकलांगता आती है।
- लगभग सारे असुरक्षित गर्भपात विकसनशी देशों में होते हैं।
- आशिया में लगभग १७००० महिलाओं की हर साल असुरक्षित गर्भपात की वजह से मृत्यु होती है।
- भारत में असुरक्षित गर्भपात यह सारे मातामृत्युओं मे ८ फीसदी कारण है। इसका मतलब यह हुआ कि हर दो घंटे एक महिला का गर्भपात से संबंधित कारण से देहांत होता है।

विकसनशील देशों मे गर्भपात के कानून मे किए गये सुधार की वजह से मृत्यु और विकलांगता कम होते हुए दिखाई दी रही है।

- दक्षिण आफ्रिका: १९९७ में कानून में बदलाव लाने के बाद गर्भपात से संबंधित मृत्यू वार्षिक ९१ फीसदी कम हो गये।
- नेपाल: आठ जिलों मे सुविधाओं का अभ्यास करने के बाद माताओं की बीमारियाँ ४८ फीसदी कम होती हुई और गर्भपात से संबंधित विकलांगता कम होती हुई दिखाई दी।
- इथिओपिया: प्रति १००,००० सजीव जन्मों में गर्भपात से संबंधित विकलांगता (एका बडे अस्पताल में) लगभग ७० फीसदी कम हुई।

परंतु भारत में गर्भपात लगभग ४० सालों से कानूनन माना गया है, फिरभी ४० फीसदी गर्भपात सुरक्षित माने गए हैं।

स्रोत: गटमाकर इन्स्टिट्यूट/वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनायझेशन-२०१२